



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 76]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 19, 1979/फाल्गुन 28, 1900

No. 76] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 19, 1979/PHALGUNA 28, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण भंगालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1979

सांकेति० 254(अ).—खाद्य अधिकारण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए कठिनपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार, खाद्य अधिकारण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त धारा 23 की उपधारा (i) की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना वी जाती है कि उक्त नियमों के प्रारूप पर उस तारीख से वेतालीस दिन की समाप्ति पर विवार किया जाएगा जिस तरीख को भारत के उस राजपत्र की प्रतिया जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा वी जाती है।

नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी भावितियां या सुझाव इस प्रकार विनिर्विष्ट भ्रष्टि की समाप्ति से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार विवार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम खाद्य अधिकारण निवारण (संशोधन) नियम 1979 है।

2. खाद्य अधिकारण निवारण नियम, 1955 (जिसे दृष्टि इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 32 में, खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अधारतः—

व्यापार नाम, विवरण तथा उत्पादन में प्रयुक्त संघटकों की सूची।

“(क) इन सूची में संघटकों का उल्लेख, यास्तिति, तौल या भायतन की मात्रा के हिसाब से भवरोही कम में किया जाएगा।”

3. उक्त नियमों के नियम 37के स्थान पर निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा अधारतः—

“केन्द्रीय सरकार द्वारा साम्पत्तिक खाद्यों के नेबलों का अनुमोदन:—

37. क. सभी प्रकार के साम्पत्तिक खाद्यों में, जहाँ काल्पनिक नाम या व्यापार नाम का प्रयोग किया जाता है खाद्य के नाम या उस प्रवर्ग का, जिसके अंतर्गत वह इन नियमों के अधीन आता है, भी उल्लेख नेबल में किया जाएगा। ऐसे खाद्यों के नेबलों को, और विनियोग का, जिनका मानकीकरण परिषिक्षण ‘ख’ में नहीं किया गया है, खाद्य के विकाय से पूर्व केन्द्रीय सरकार को अनुमोदित करता होगा।

स्वास्थ्यकारण : इस नियम के प्रयोगन के लिए, “काल्पनिक व्यापार नाम” या “साम्पत्तिक नाम” से, खाद्य की ऐसी परम्परागत किसम प्रभिन्न प्रेत है जिसका इन नियमों के अधीन मानकीकरण नहीं किया गया है।”

4. उक्त नियमों के नियम 42 (च) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अधारतः—

“(न) परिषिक्षत साल बीज बसा के प्रत्येक अंधान पर निम्नलिखित नेबल लगा होगा, अधारतः—

परिषिक्षत साल बीज बसा
—नेबल बैकरी और कनकेशनरी में उपयोग के लिए।
—संधि उपयोग के लिए नहीं।

5. उक्त नियमों के नियम 44 में, वर्तमान परस्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परस्तुक रखा जाएगा, अधारतः—

“परन्तु यह और कि, साम्प्रतिक खाद्य वस्तुओं के ऐसे नेबलों की, जो केवल सरकार द्वारा नियम 37 के उपबन्धों के प्रधीन अनुमोदित कर दिए गए हैं, इस नियम के प्रवर्तन से छूट दी जा सकती है।”

6. उक्त नियमों के नियम 45 के स्थान पर निम्नलिखित रद्द जाएगा, अर्थात्:—

“कोई व्यक्ति किसी ऐसे खाद्य के, जो शहद से मिलता जूलता है किन्तु यह शहद नहीं है, नेबल, और या विशेष पर ‘शहद’ शब्द का या उसके समानार्थक या समरूप किसी शब्द का प्रयोग किसी प्रत्येक टिप्पणी, चित्र या शुभित के पूर्व या पश्चात् या उसके साथ, उस प्रकार नहीं करेगा कि उसमें ऐसे खाद्य के शहद होने का आभास हो:

परन्तु शहद यूक्त ऐसी साम्प्रतिक खाद्य वस्तु पर, जिसके नेबल को नियम 37 के उपबन्धों के प्रधीन अनुमोदित कर दिया गया है, संघटक के रूप में ‘शहद’ का उल्लेख किया जा सकता है।”

7. नियमों के नियम 49 में, उपनियम (9) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(10) कोई भी व्यक्ति साल बीज वसा का खाद्य प्रयोजन के लिए विक्रय तथा तक नहीं करेगा जब तक कि वह परिष्कृत नहीं कर दिया गया है और उस पर लगे नेबल पर नियम 42(7) में विविधत घोषणा नहीं है।”

8. उक्त नियमों के परिणाम “ख” में,

(1) मद क. 10.06 के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां ओड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

“क. 10.07—साल बीज वसा:—

साल बीज वसा से, साल वृक्ष, गोरिया रोबस्टा, गैरटन (डिपटरोकेपाका नहीं) के स्वच्छ और छोस बीजों की गिरी से विशालक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त वसा अधिप्रति है। पिण्डलाएं जाने पर यह स्वच्छ और शपमिश्रण तलाउ, निलम्बित या प्रत्येक विजातीय पदार्थों, पृथक्कृत जल या मिलाएं गए रंजक पदार्थों से मुक्त होता है। यह निम्नलिखित मानकों के अनुसार होता है:—

(क) बटीरों रेफेटोरीटर 40° से० पर—	36, 7- 51.0
या 40° से० पर अपवर्तनांक—	1. 4500-1-4500
(ख) आयोडोम मान (विज पद्धति)—	35-45
(ग) साबुनीकरण मान	186-195
(घ) असाबुनीकरण पदार्थ—	तोल में 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं
(इ) छने हुए नमूने को 24 घण्टे तक 50° से० पर रखने के पश्चात् कोई आविस्ता नहीं होती।	
(च) मुक्त वसा अम्ल (जिसे ओलीक अम्ल के नाम से अभियक्त किया गया है) —	तोल में 6.0 प्रतिशत से अधिक नहीं

या

अम्ल तत्व 12.0 से अधिक नहीं।

साल बीज वसा का उपयोग केवल ब्लेकरी और कन्फेक्शनरी में किया जाएगा। यह परिष्कृत भी जाएगी और (क) से (इ) तक में उलिक्कित मानकों के अनुरूप होती है। यह निम्नलिखित मानकों के भी अनुरूप होती है, अर्थात्

- (i) आइस्टा तथा प्रत्येक अशुद्धियां—0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं।
- (ii) मुक्त वसा अम्ल (जिसे ओलीक अम्ल के नाम से अभियक्त किया गया है) —— 1.0 प्रतिशत से अधिक नहीं या अम्ल तत्व —— 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं।

(iii) 9. 10 एंपोक्सी और 9. 10 डिहाइड्रोक्सी स्टिरेटिक अम्ल —— तोल में 3.0 प्रतिशत से अधिक नहीं

(iv) प्रज्वलनारा—(पेंकी मार्टेन बंद पद्धति से) —— 250° से० से अधिक नहीं।

[मं. पी० 15011/23/78-पी० प्रब० (एफ और एन) पी० प्रफ० ए०] दी० बी० अन्टोनी, मंयुक्त मन्त्रिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 1979

G.S.R. 254 (E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), and after consultation with the Central Committee for food standards, is hereby published as required by sub-section (1) of the said section 23 of the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of 45 days from the date on which the copies of the Gazette of India, in which this notification is published, are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1979.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, (hereinafter referred to as the said rules), in rule 32, for clause (a), the following clause shall be substituted, namely :—

“(a) the name, trade name, description of food, giving the list of ingredients used in the product in descending order of composition by weight or by volume as appropriate.”

3. For rule 37A of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“37A. Approval of labels of proprietary foods by Central Government :—In all types of proprietary foods where fancy names or trade names are used, the name of the food or the category under which it falls in these rules, shall also be mentioned on the label. The labels as well as the manufacture of such foods which are not standardised in Appendix B, shall be subjected to be approved by the Central Government, before sale.

Explanation : for the purposes of this rule “fancy trade name” or “proprietary name” means the non conventional type of food which has not been standardised under these rules.”

4. After rules 42(S) of the said rules, the following shall be inserted, namely :—

"(T) Every container of refined salseed fat shall bear the following label :—

REFINED SALSEED FAT
FOR USE IN BAKERY AND CONFECTIONERY ONLY
NOT FOR DIRECT CONSUMPTION.

5. In rule 44 of the said rules, after the existing proviso the following proviso shall be added, namely :—

"Provided further, the labels of proprietary food articles, which are approved by the Central Government, under the provisions of rule 37A may be exempted from the operation of this rule."

6. For rule 45 of the said rules, the following shall be substituted, namely :—

"45. Food resembling but not pure honey not to be marked honey. No person shall use the word 'honey' as such or its synonym or homonym, or honey even in pre-fix or in suffix or in combination with any word, remark, illustrations or device that suggest honey on the label or in package or in any advertisement form in food that resembles honey, but is not pure honey :

Provided that the proprietary food article containing honey, the label of which is approved under the provisions of rule 37A may contain 'Honey' as one of the ingredients."

7. In rule 49 of the said rules, after sub-rule (9), the following sub-rule shall be inserted namely :—

"(10) No person shall sell salseed fat for edible purpose unless it is refined and bears the label declaration as laid down in rule 42(T)".

8. In Appendix B of the said rules :

(i) after item A.10.06, the following item and entries shall be added, namely :—

"A.10.07—Salseed fat : Salseed fat means the fat obtained by the process of solvent extraction from clean and sound seed kernels of Sal tree, Shorea robusta, Gaertn. f. (N-Dipterocarpaceae). On melting, it shall be clear and free from adulterants, sediment, suspended or other foreign matter, separated water or added colouring substance. It shall conform to the following standards :—

(a) Buryro-refractometer reading at 36.7—51.0 40°C	1.4500-1.4600
(b) Iodine value (Wijs'method)	35-45
(c) Saponification value	186-195
(d) Unsaponifiable matter	Not more than 2.5 per cent by weight.
(e) 'There shall be no turbidity after keeping the filtered sample at 50°C for 24 hours.	
(f) Free Fatty acid (expressed as Oleic acid) or Acid value	Not more than 6.0 per cent by weight. Not more than 12.0.

Salseed fat shall be used only in bakery and confectionery. It shall be refined and shall conform to the standards at (a) to (c). Additionally, it shall conform to the following standards :—

(i) Moisture and other insoluble impurities	Not more than 0.1%
(ii) Free Fatty Acid (expressed as oleic acid) or Acid value	Not more than 1.0% Not more than 0.5.
(iii) 9,10 epoxy and 9,10 Dihydroxy stearic acid	Not more than 3.0% by weight.
(iv) Flash point (Pensky Marten closed method)	Not more than 250°C."

[No. P. 15011/23/78-PH(F & N) PEA]

T.V. ANTONY, Joint Secy.

